# Matt. 6:19-24

| | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|
| 19a | | | | θησαυρίζετε | θησαυροὺς |
| | | | | Μὴ | |
| | | | | ὑμῖν | |
| | | | | ἐπὶ τῆς γῆς | |
| b | ὅπου | | σὴς | ἀφανίζει | |
| | | καὶ | βρῶσις | | |
| c | καὶ | | | | |
| | ὅπου | | κλέπται | διορύσσουσιν | |
| d | καὶ | | | κλέπτουσιν | |
| 20a | δὲ | | | θησαυρίζετε | θησαυροὺς |
| | | | | ὑμῖν | |
| | | | | ἐν οὐρανῷ | |
| b | ὅπου | οὔτε | σὴς | ἀφανίζει | |
| | | οὔτε | βρῶσις | | |
| c | καὶ | | | | |
| | ὅπου | | κλέπται | διορύσσουσιν | |
| | | | | οὐ | |
| d | οὐδὲ | | | κλέπτουσιν | |
| 21a | γάρ | | | | |
| | ὅπου | | ὁ θησαυρός | ἐστιν | |
| | | | σου | | |
| b | | | ἡ καρδία | ἔσται | ἐκεῖ |
| | | | σου | καὶ | |

| | | | | |
|---|---|---|---|---|
| 22a | | Ὁ λύχνος<br>τοῦ σώματός | ἐστιν | ὁ ὀφθαλμός |
| b | οὖν<br>ἐὰν | ὁ ὀφθαλμός<br>σου | ᾖ | ἁπλοῦς |
| c | | τὸ σῶμά<br>ὅλον<br>σου | ἔσται | φωτεινὸν |
| 23a | δὲ<br>ἐὰν | ὁ ὀφθαλμός<br>σου | ᾖ | πονηρὸς |
| b | | τὸ σῶμά<br>ὅλον<br>σου | ἔσται | σκοτεινὸν |
| c | οὖν<br>εἰ | τὸ φῶς<br>τὸ<br>ἐν σοὶ | ἐστίν | σκότος |
| d | | τὸ σκότος | | πόσον |

24a Οὐδεὶς δύναται
δουλεύειν
κυρίοις
δυσὶ

b γὰρ
ἢ μισήσει τὸν ἕνα

c καὶ ἀγαπήσει τὸν ἕτερον

d ἢ ἀνθέξεται ἑνὸς

e καὶ καταφρονήσει τοῦ ἑτέρου

f δύνασθε
οὐ
δουλεύειν
θεῷ
καὶ μαμωνᾶ